

कैलाश मानसरोवर यूनेस्को की अस्थायी सूची में शामिल

चर्चा में क्यों?

हाल ही में संस्कृति और पर्यटन राज्य मंत्री ने 'सेक्रेड माउंटेन लैंडस्केप एंड हेरिटेज रूट' (कैलाश मानसरोवर का भारतीय भाग) को भारत के विश्व धरोहर स्थलों की अस्थायी सूची में शामिल किये जाने की घोषणा की है।

मुख्य बटु :

- इसे अप्रैल 2019 में मशरूति स्थल के रूप में प्रस्तावित किया गया था।
- यूनेस्को द्वारा दिये गए निर्देशों के अनुसार, अंतिम नामांकन करने से पूर्व किसी भी स्थल को कम-से-कम एक वर्ष के लिये यूनेस्को की अस्थायी सूची में रहना पड़ता है।
- एक बार नामांकन होने के पश्चात् उस स्थल को विश्व धरोहर केंद्र (World Heritage Centre - WHC) में भेज दिया जाता है।
- जसिके पश्चात् विश्व धरोहर समिति द्वारा किसी भी स्थल को विश्व धरोहर सूची में स्थायी रूप से शामिल करने के लिये जाता है।

क्या होता है विश्व धरोहर स्थल?

- सांस्कृतिक और प्राकृतिक महत्त्व के स्थलों को हम विश्व धरोहर या वरिसत कहते हैं।
- ये स्थल ऐतिहासिक और पर्यावरण के लहिए से भी महत्त्वपूर्ण होते हैं।
- इनका अंतरराष्ट्रीय महत्त्व होता है तथा इनके संरक्षण हेतु विशेष प्रयास किये जाते हैं।
- ऐसे स्थलों को आधिकारिक तौर पर संयुक्त राष्ट्र की संस्था यूनेस्को, विश्व धरोहर की मान्यता प्रदान करती है।
- कोई भी स्थल जो मानवता के लिये ज़रूरी है, जसिका क सांस्कृतिक और भौतिक महत्त्व है, उसे यूनेस्को द्वारा विश्व धरोहर के तौर पर मान्यता दी जाती है।

भारत के विश्व धरोहर स्थल

- भारत में कुल 37 मूरत वरिसत धरोहर स्थल (29 सांस्कृतिक, 7 प्राकृतिक और 1 मशरूति) हैं और 13 अमूरत सांस्कृतिक वरिसतें हैं।

भारत में विश्व धरोहर स्थल		
मूरत वरिसतें		अमूरत
<div style="border: 1px solid black; padding: 2px; display: flex; justify-content: space-between;"> 2222222222 2 2 </div>	<div style="border: 1px solid black; padding: 2px; display: flex; justify-content: space-between;"> 2 2 2 2 </div>	सांस्कृतिक वरिसतें
<ul style="list-style-type: none"> ताजमहल, आगरा खजुराहो, मध्य प्रदेश हम्पी, कर्नाटक अजंता की गुफाएं, महाराष्ट्र 		

- एलोरा की गुफाएं, महाराष्ट्र
- बोधगया, बिहार
- सूर्य मंदिर, कोणार्क, ओडिशा
- लाल कला परसिर, दलिली
- सांची, मध्य प्रदेश
- चोल मंदिर, तमलिनाडु
- महाबलपुरम, तमलिनाडु में स्मारकों का समूह
- हुमायूँ का मकबरा, नई दलिली
- जंतर मंतर, जयपुर, राजस्थान
- आगरा कला, उत्तर प्रदेश
- फतेहपुर सीकरी, उत्तर प्रदेश
- रानी की वाव, पाटन, गुजरात
- कर्नाटक के पट्टडकल में स्मारकों का समूह
- एलीफंटा गुफाएँ, महाराष्ट्र
- नालंदा महावहिर (नालंदा विश्वविद्यालय), बिहार
- छत्रपति शिवाजी महाराज टर्मिनस (पूर्व में वकिंटरिया टर्मिनस), महाराष्ट्र
- भारत का परवतीय रेलवे
- कुतुब मीनार और उसके स्मारक, नई दलिली
- चंपानेर-पावागढ़ पुरातत्व पार्क, गुजरात
- राजस्थान के पहाड़ी कला
- गोवा के चर्च और रूपांतरण
- भीमबेटका के रॉक शेल्टर, मध्य प्रदेश
- कैपटिल कॉम्प्लेक्स, चंडीगढ़
- अहमदाबाद का ऐतहिसकि शहर
- मुंबई का



सुरोत- पी. आई. बी.

PDF Refernece URL: <https://www.drishtias.com/hindi/printpdf/indian-side-of-kailash-mansoravar>

